अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

24 अकबर रोड नई दिल्ली–110011

मीडिया विभाग

पत्रकार वार्ता के मुख्य बिन्दु बुधवार 05 अक्टूबर, 2011 सायं–4.15

श्री राशिद अलवी ने पत्रकारों को संबोधित किया ।

श्री राशिद अलवी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे पहले आप सबको एवं देशवासियों को दशहरा की शुभकामनाएं देता हूँ। अच्छाई की जीत, बुराई की हार, धर्म की जीत, यही एक सही रास्ता है देश को मज़बूत करने का। आप सबको बहुत–बहुत शुभकामनाएं और देशवासियों को मुबारकबाद।

अन्ना हजारे द्वारा सभी राजनीतिक दलों से जनलोकपाल के समर्थन के लिए लिखित आश्वासन मांगे जाने पर पूछे गए प्रश्न और विशेषकर यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस पार्टी उनको लिखित दे रही है, श्री राशिद अलवी ने कहा कि कल भी कांग्रेस पार्टी की तरफ से कहा गया था कि लोकपाल बिल स्थाई समिति के समक्ष है और वो समिति उस पर गौर कर रही है। सरकार के प्रवक्ता ने बहुत सफ़ाई के साथ कहा है कि शरद कालीन सत्र के अन्दर लोकपाल बिल को पास कराया जाएगा। कोई गुंजाइश बाकी नहीं रह जाती। इसके बाद अन्ना जी का अधिकार है वो जो फैसला करना चाहें, लेकिन जिस तरह के बयान वो दे रहे हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुंबई में टैक्सी चालकों के साथ दुर्व्यवहार पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि जो कुछ भी हो रहा है वो पहले भी महाराष्ट्र में हो चुका है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कानून अपना काम करेगा और सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

भाजपा के बयान पर कि कांग्रेस पार्टी के इशारे पर राज ठाकरे यह सब कर रहा है, श्री राशिद अलवी ने कहा कि भाजपा सिर्फ बेबुनियाद इल्ज़ाम लगाती है। भाजपा का और शिवसेना का क्या रिश्ता है, यह पूरा देश जानता है। इन दोनों का गठबन्धन है। अगर मैं यह कहूं कि शिवसेना के साथ–साथ भाजपा भी जिम्मेदार है। इन सभी बातों के लिए भाजपा कभी भी सफ़ाई के साथ इन मामलों में सामने नहीं आई। श्री राशिद अलवी ने एक शायर की पंक्तियां दोहराते हुए कहा कि–''खूब परदा है कि चिलमन से लगे बैठे हैं, साफ़ छुपते भी नहीं, सामने आते भी नहीं''। कानून अपना काम करेगा, सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

एक अन्य प्रश्न पर कि क्या अन्ना हजारे राजनीति कर रहे हैं, श्री राशिद अलवी ने कहा कि यह तो देश की जनता ही निर्णय लेगी कि कौन राजनीति कर रहा है और कौन नहीं। मैं तो केवल इतना ही कह सकता हूँ कि कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता है भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई की, और जो लड़ाई कांग्रेस पार्टी ने भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ी है वो और किसी पार्टी ने नहीं लड़ी। स्विटजरलैंड में अभी हमारी राष्ट्रपति जी गयी हैं और वहां की सरकार के साथ इस पर समझौता भी हुआ है हमारी सरकार प्रतिबद्ध है न केवल लोकपाल बिल लाने पर बल्कि भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ने के लिए भी।

श्री राहुल गांधी के बयान पर कि अगर आपको भ्रष्टाचार को समाप्त करना है तो राजनीतिक ढ़ांचे का हिस्सा बनना पड़ेगा, तो क्या कांग्रेस पार्टी अन्ना हजारे को राजनीति में आने का निमंत्रण देगी, राशिद अलवी ने कहा कि श्री राहुल गांधी जी ने ठीक कहा है, कांग्रेस पार्टी यह लगातार कहती रही है कि देश के अन्दर लड़ाई का तरीका प्रजातंत्र के ढ़ंग से होना चाहिए। यही बात श्री राहुल गांधी जी ने कही है। कोई धरने पर बैठना चाहे तो बैठ सकता है लेकिन जो भी लड़ाई देश के अन्दर हो, वो संविधान के अन्दर होनी चाहिए, ऐसी लड़ाई होनी चाहिए जो हमारे प्रजातंत्र के ढ़ांचे को कमजोर न करे। हर आदमी को इज़ाजत है कि संविधान के अर्न्तगत अपने हकों के लिए लड़ सकता है और अगर कोई राजनीति में आना चाहे तो आ सकता है, किसी को कोई पाबंदी नहीं है।

भाजपा द्वारा गोवा के मुख्यमंत्री श्री कामत के त्याग पत्र की मांग पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि पीएसी की रिपोर्ट विधानसभा में पेश की जाएगी, विधानसभा में चर्चा होगी और तभी कोई निर्णय लिया जा सकेगा ।

इसी संदर्भ में एक अन्य प्रश्न पूछे जाने पर कि विधानसभा के स्पीकर ने पीएसी की रिपोर्ट को नहीं माना है श्री राशिद अलवी ने कहा कि विधानसभा के स्पीकर द्वारा लिए गए निर्णय पर मैं टिप्पणी नहीं करना चाहता।

एक अन्य प्रश्न पूछे जाने पर कि आज मायावती ने यूपी के अन्दर दो मंत्रियों को भ्रष्टाचार के मामले में बरखास्त कर दिया गया क्या वो चुनाव की तैयारी के चलते तो ऐसा नहीं कर रहीं, श्री राशिद अलवी ने कहा कि चुनाव का फैसला तो चुनाव आयोग करेगा। उत्तर प्रदेश में जब भी चुनाव होगा, इसके लिए कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से तैयार है। उत्तर प्रदेश की समस्त जनता उत्तर प्रदेश सरकार की और मायावती जी के भ्रष्टाचार से बुरी तरह से परेशान है। यह सभी जानते हैं कि उत्तर प्रदेश की सरकार एक भ्रष्ट सरकार है।

माओवादियों के इस बयान पर कि वे एक महीने के लिए हथियार छोड़ने के लिए तैयार हैं, श्री राशिद अलवी ने कहा कि गृह मंत्रालय इस पर गौर करेगा जो कुछ भी उचित होगा गृह मंत्रालय इस पर विचार करेगा। उचित यह रहेगा कि इस विषय में प्रश्न गृह मंत्रालय के प्रवक्ता से पूछे जाएं।

श्री प्रणब मुखर्जी जी के बयान पर कि पृथक तेलंगाना राज्य का गठन और समस्याएं पैदा करेगा, श्री राशिद अलवी ने कहा कि तेलंगाना का मामला एक संवेदनशील मामला है। हमारे महासचिव प्रभारी आंध्र प्रदेश के इस मामले को देख रहे हैं, और इस प्रश्न का उत्तर वो ही दे पाएंगे।

श्री प्रणब मुखर्जी जी के एक अन्य बयान पर कि श्री राहुल गांधी जी हमारे अगले नेता होंगे, श्री राशिद अलवी ने कहा कि श्री राहुल गांधी जी आज भी हमारे नेता हैं और इस पार्टी के भी नेता हैं। वे कांग्रेस पार्टी का भविष्य हैं,

देश का भविष्य है, और जो कुछ उन्होंने कहा है, यह कांग्रेस पार्टी पहले भी कह चुकी है। प्रधानमंत्री जी भी यह बात कह चुके हैं कि श्री राहुल गांधी जी देश का भविष्य हैं कांग्रेस पार्टी का भविष्य हैं। हम मानते हैं कि आने वाले भविष्य में श्री राहुल गांधी जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी और अधिक ताकतवर होगी।

गुजरात में उत्पन्न हुई स्थिति में संजीव भट्ट की पत्नी ने आरोप लगाए हैं कि उनकी जासूसी की जा रही है, श्री राशिद अलवी ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। गुजरात में जो कुछ हो रहा है, बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा महसूस होता है कि वहां के मुख्यमंत्री ने तय कर लिया है कि जो भी उनका विरोध करेगा, वो उसको बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं हैं। जो भी बयानात वहां से आ रहे हैं, वो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हैं। यह प्रजातंत्र के लिए कोई बहुत अच्छी बात नहीं है।

एक और प्रश्न पर कि 2014 के लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री कौन होगा, श्री राशिद अलवी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस तरीके का फैसला कभी नहीं करती है। डा0 मनमोहन सिंह जी देश के प्रधामंत्री हैं और अगले संसद के चुनाव में अभी तीन साल का समय बाकी है।

गरीबी रेखा से नीचे कार्ड बनाए जाने पर हरियाणा में हो रहे घोटाले के विषय में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि मुझे इस बात की जानकारी नहीं है।

श्री आडवाणी जी की रथ यात्रा को लेकर पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि मैं एवं कांग्रेस पार्टी पहले भी यह बात कह चुके हैं कि आडवाणी जी इस मामले में बहुत बदकिस्मत आदमी हैं कि वे जब–जब जिस उद्देश्य के लिए रथ–यात्रा निकालते हैं, वो उद्देश्य उनका कभी पूरा नहीं होता। और वे अपने उद्देश्य को अधूरा छोड़कर दूसरे उद्देश्य के लिए रथ–यात्रा निकालनी शुरू कर देते हैं। अगर आडवाणी जी भ्रष्टाचार के विरूद्ध सही अर्थ में लड़ाई लड़ना चाहते हैं तो उन्हें बिहार से रथ–यात्रा न निकाल के कर्नाटक से वो रथ–यात्रा निकालनी चाहिए। क्योंकि भ्रष्टाचार का इतिहास

बगैर जूदेव साहब के, बगैर बंगारू लक्ष्मण साहब के बगैर येदियुरप्पा जी के और बगैर रेड्डी बंधुओं के पूरा नहीं होता। अगर वो भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ना चाहते हैं तो ज्यादा बेहतर होता कि वे कर्नाटक से यह लड़ाई शुरू करते।

श्री अन्ना हजारे के सहयोगियों द्वारा चुनाव लड़ने के विषय में पूछे गए एक और प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि यह तो स्वयं अन्ना हजारे तय करेंगे कि इसके लिए वे कोई पार्टी बनाएंगे या नहीं, इस पर मैं कोई भी टिप्पणी नहीं करना चाहता। देश में प्रजातंत्र है, हर व्यक्ति को छूट है कि वो पार्टी बनाए, वो चुनाव लड़ाए, यह तो श्री अन्ना जी को खुद फैसला करना है।

भट्टा परसौल के विषय में श्री पीएल पुनिया द्वारा नोएडा के एसएसपी के विरूद्ध नोटिस किए जाने पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि श्री पुनिया एससी/एसटी कमीशन के अध्यक्ष हैं। मेरे लिए उचित नहीं होगा कि किसी आयोग पर टिप्पणी करूं।

जम्मू–कश्मीर विधानसभा में उत्पन्न हुई स्थिति को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि सिवाय इसके कि जो भी विधानसभा में हुआ वो अत्यन्त ही दुर्भाग्यपूर्ण है, मैं इस विषय में कुछ और टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा।

हस्त/–
(टॉम वडक्कन)
मीडिया सचिव